

श्रीधकार से त्रकावित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1986/भाव 22, 1908

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1986/BHADRA 22, 1908

इस भाग में भिल्म पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भूमा II—इत्तरह 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम भौर आवेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रका मंत्रालय

नई विल्ली, 30 जून, 1986

का .नि.श्रा 275 —राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुक्छद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदेश शक्तियों का श्रयोग करते हुए रक्षा मन्त्रालय के रक्षा श्रनुक्धान श्रीर विकास संगठन में लिपिक, भण्डारी, रोकिङ्या, श्राशृलिपिक श्रेणी 2 श्रीर श्राशृलिपिक श्रेणी 3 के पदो पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्निलिखन नियम बनाते हैं, श्रश्रत :—

- ं 1 संक्षिप्त नाम श्रीर प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुमंधान श्रीर विकास मंगठन, रक्षा मन्द्रालय लिपिक, भण्डारी, रोभिड्या धार्मालिपिक श्रेणी 2 श्राम्।जिपिक श्रेणी 3 पर भर्ती नियम 1986 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 2. लागु होना : इन नियमों से जगाबद्ध धनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिग्ट पदीं की लागु होंगे ।
- 3 पद-संख्या, वर्गीकरण श्रीर वेतनमान : उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण सौर उनके वेतनमान वे होगे जो उक्त श्रनुमूची के स्वस्भ 2 से 4 में विनिर्विष्ट हैं।
 - मर्ती की पद्धति, प्रोक्षति, ग्राय्-सीमा भौर घर्टनाएं ग्रादि :
 - (1) जन्म पदों पर भर्ती की पद्धित, श्रायु-मीमा श्रार्हुनाएं भौर उनमें संबंधित श्रन्य बातें ये होंगी जो पूर्वोक्त/श्रनुमूची के स्तम्भ 5 से 13 में बिनिर्विष्ट हैं।
 - (2) प्रोक्ति के प्रयोजन के लिए, रक्षा अनुस्थान और विकास संगठन के प्रत्येक स्थापन/कार्यालय/प्रयोगणाला/एकक/केन्द्र को भलन और स्वतंत्र एकक समझा जाएगा और अगले उच्चतर पदो पर पात्र कर्मचारियों की प्रोक्षति स्थापन/प्रयोगणाला/कार्यालय केन्द्र में ही की जाएगी :

परन्तु यह कि प्रोप्नति के प्रयोजन के लिए सभी निवासी तकनीक कार्यालय के साथ मिलाकर एक एकस/एकक समझा जाएगा।

- निग्रहेंमा : वह व्यक्ति
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति में जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ;

(375)

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो आता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पत्नकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुजेय हैं और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

- 6. शिश्यिल करने की णक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना श्रायण्यक या समीचीन है. बहा बहा उसके शिए जो शारण हैं इन्हें भेखबद करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, भावेश द्वारा शिथिल वर सकेगी ।
- 7. स्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे ब्रारक्षणों, ब्रायु-सीमा में छूट और अत्य रियायतों पर प्रभाव नहीं इतियी, जिनका केचीव नरभार हाथ इस संबंध में समय-समय पर निकाल गए घादेणों के अनुमार अनुमूचित जातियों, ब्रान्स्चित जनजातियों, मृतपूर्व सैनिकों और अस्य विशेष प्रवर्ग के ध्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

			प्र नृसूर	त्री		
पव का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान		भयन पद सथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए श्राय-सीमा
1	2	3	4		5	6
उच्च श्रेणी लिपिक	672 (1985)	रक्षा सेवाझों में सिविलियन समृह ''ग'' (घ्रराजपत्निस् ध्रनुसचिवीय	330-10-3 व.चे -12 व.चे -13	-500	धचयत	लागृ नहीं क्षेता
सीचे भर्ती किए जाने वा सर्हताएं	ले व्यक्तियों के लिए भी		क भ्रहेनाएं श्रोद्धत		ं तम् चिहित श्रीयु प की दशा में लागृ	 रिबीक्षा की श्रविध. यदि कोई हो
	7			8	··— — — ———	9
	— — — — — — — गु नहीं होता		ल।ए नह	ो होता		श्राम् नहीं होता
गिता परीक्षा के श्राः परन्तु यदि एकके (स्थ किए गए निम्न	धार पर प्रोक्तिति द्वाराः एपना/प्रयोगण्यला/रेन्द्र/	कार्यालय/एकक श्रादि) ^ह । संख्या पंचास से ग्रधिय	ो लिए संपूर	हिर्दापकः जहां उन नियमित ऐसे निम् एककः	जिन्होंने उस (कार्या गपर प्रोक्षति के लिए सेवा की विभागीय न श्रेणी लिपिक जिल्ह	र पर प्रोक्षति द्वारा एमें निम्नतिस्थित श्रेणी लय /स्थापन/प्रयोगणाया/केन्द्र/एकक स्नादि) के विश्वार किया जाता है, उस श्रणी में स्नाठ कर्ष प्रतियोगिता परीक्षा के भाषार पर प्रोक्षति होने उस एकक (कार्यालय/स्थापन/केन्द्र/प्रयोगणाया/ ए प्रोक्षति के लिए विश्वार किया जाता है इस सेवा की हैं।
यदि विभागीय प्रोप्तति		रचना	· · · · · · · · · · · · · · ·	 मर्ती करने जाएगा 	म फिन परिस्थितियों 	में सब लोक सेंधा श्रीयोग से वरामण क्षिय
12					13	
के लिए) विभागीय प्रोप्तिन समि		की पुष्टिके सबंध में तिसे मिलकर बनेगी :	विचार कश्ने		नागू नहीं होता	
(क) श्रष्यक्षः स्थापन/प्रयोगः (ख) सदस्य	गाशा/कायालय/एकक/ रे	न्द्र श्रादि का प्रधान				
im) 23.74.0			_			

(I) रजापन/प्रयोगमान्या/कार्यातय/एकक/केरु भाषि के दो व्येष्ट श्रधिकारी (II) एक ऐसा, मिश्रकारी जो विभागीय सदस्य की पंक्ति के समृतस्य हो किरन जिस-

का संदध विभाग में न हो ।

~		2	Ç.		4	5	•		6	
निम्न	श्रेणी नियिक	1040 (1983)	न्द्रा सेवाओं लियन समृह (प्रराजपद्भित् ग्रनुगक्षित्रीय	''ग्''	260-5-290 द. की- 6-326-8-366-द. ते. 8-390-10-400 व.	अचयन	भारत (उन मार प्रावेद की र पदां रोजग जाती के 1 मे, व	क तारीख, मे रहने भे भिन्न औ द्वीप तथा ने प्रस्त क ने प्राप्त क ने प्त क ने प्राप्त क ने प्त क ने प्राप्त क ने प्त क ने प्राप्त क ने प्त क ने प्राप्त क ने प्राप्त क ने प्राप्त क ने प्राप्त क ने प्राप्	प्रत्येक वालं ग्रन्थ अंदमानः लक्षाद्वीप में ते के पि जिन पर के माध्य मा श्रवद्या रिख होगी से ग्राम्थ	मामले में यिषयों से योज निकी एहते क्षे) लेए नियत गि नियुक्ति रम से की रिन करने ख प्रत्येक जिस तक प्राचियों का
			ं शुद्धागति। 'शुद्धागति।	ड प्रैक्षिक अर्ह क्रायु — नह		12	हारा भरे में गश्चिक की देखी को पश्चाम महयोजित (iii) उथे	विभागोय हते हुए ज्ये 5 %	परीक्षा अ गठपा सह गेश्वा में प्र शेशा में प्र चित्र भें प्र शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक शेष्ट्र श्रधिक	ने यदि स्म पड़ित इस पड़ित वहित कोटे ताएं प्रास्त अभ्ययियो से विक्छ
		11								
 रिमे म केन्द्र/प्र		 अन्होंने उस एकक (क	 शर्यालय/स्थापन/ शेन्नति के लिए	 (प्रोन्मतिः लिखिनने	भौर पुष्टि के लिए) वि मिलकर बनेगी:		समिति III अ	ो निम्न-		नर्हा होत
केन्द्र/प्र थिचार	— समृह प'कर्मवारी वि	 अन्होंने उस एकक (क) में जहां उन पर प्र	ोन्नित के लिए	लिखित से (क) ग्रध्य स्थापः (ख) स [. स्थाप {[. एक	मिलकर ब नेगी : ध : न/प्रयोगशासा/कार्यास्य/।	भागीय प्रोत्निति गुकक केन्द्र जावि गुकक केन्द्र स्मार्थ भागीय सदस्य व	ंका प्रधान किंदी ज्येण्ट	भ्रक्षिकारी		नर्हा होत
केन्द्र/प्र यिचार	स्तृ प'कर्मवारी जि शोगकाला/एकक रादि) किया जाता है, उस	 अन्होंने उस एकक (क) में जहां उन पर प्र	ोन्नित के लिए यमित पेत्रा की	लिखित से (क) ग्रध्य स्थापः (ख) स [. स्थाप {[. एक	मिलकर बनेगी: धा: त्र[त्रयोगगाला/कार्यात्सय/ग व्यव्य: न/प्रयोगगाला/कार्यात्स्य/ ऐमा ज्राधकारी जा कि	भागीय प्रोत्निति गुकक केन्द्र जावि गुकक केन्द्र स्मार्थ भागीय सदस्य व	ंका प्रधान किंदी ज्येण्ट	प्रधिकारी मद्भुत्य हो 		
केन्द्र/प्र थिचार १ ।	स्त्र प' कर्मवारी जि स्पेगणाला/एकक रादि) जिल्ला जाता है, उस उ	अन्होंने उस एकक (ब) में जहां उन पर प्र श्रेणी में पाच वर्ष नि	ोन्नित के लिए यमित येवा की 3 सिविलियन समृह	लिखिन से (क) ग्रध्य स्थापः (ख) स् I. ख्याप (हि. एक किन्तु	मिलकर बनेगी: धा: त्र[त्रयोगगाला/कार्यात्सय/ग व्यव्य: न/प्रयोगगाला/कार्यात्स्य/ ऐमा ज्राधकारी जा कि	भागीय प्रोन्ति पुकक किन्द्र जादि एकक किन्द्र चादि भागीय सदस्य व से न हो । - से न हो । - प्रि ने : 261 55/डी (चार ए । मे यथा उपवे	का प्रधान के दो ज्येग्ट तो पंक्ति के स	श्रक्षिकारी मतु≂्य हो 5	लाग्	नहीं होत 6 नहीं होता
केन्द्र/प्र	स्त्र प' कर्मवारी जि स्पेगणाला/एकक रादि) जिल्ला जाता है, उस उ	त्रन्होंने उस एकक (ब) में जहां उन पर प्र श्रेणी में पाच वर्ष नि	ोन्नित के लिए यमित येवा की 3 सिविलियन समृह	लिखिन से (क) ग्रध्य स्थापः (ख) स् I. ख्याप (हि. एक किन्तु	मिलकर बनेगी:	भागीय प्रोन्ति पुकक किन्द्र जादि एकक किन्द्र चादि भागीय सदस्य व से न हो । - से न हो । - प्रि ने : 261 55/डी (चार ए । मे यथा उपवे	का प्रधान के दो ज्येग्ट तो पंक्ति के स	श्रक्षिकारी मतु≂्य हो 5	लाग्	6

378 THE	GAZETTE OF	INDIA : SEPTE	MBER 13, 1986/B	HADRA 22,	1908	[PART II—SEC. 4
	11				12	13
		ता/कार्यालय/केन्द्र/एकक ब्राा उच्च श्रेणी लिगिक जिनके			न स्नागृ नहीं होता	लागृ नहीं होता
1	2	3		· · _	5	6
प्रागुलिपिक श्रेणी-2		क्षा सेवाशों में सिविलियन (ग्रराजपद्मित) अनुसमिकीय)द. गे. 15-560 	ग्र चपन 	भाग नहीं होता
7	8		9		10	·
लागू महीं होता	सागू नहीं	शुति।	लागू नहीं होता	ਸ	न्निति द्वारा 	
	11		12 .			13
ऐसा धाणुलिपिक श्रेणी-3 स्वापन/प्रसीगशाला/एकक लिए विचार किया जाना की है।	ब्रादि) में जिसमें उन	्रपर प्रोत्मिति के लिखि र्षि नियमित सेशा (क) ह स्थापना (ख) 1. स्था 2. एक	ा और पुष्टि के लिए) वि त से मिलकर बनेगी:—— प्रियोगशाला/कार्यालय/एकक, सदस्य: पन/प्रयोगशाला/कार्यालय/ए ऐसा शिधकारी को विभ तु जिसका संबंध विभाग ग	केन्द्र श्चादि का प्र कक/केन्द्र श्चादि के गोध सदस्य की प	धान। दो अयेष्ठ क्रिधिका	री ।
1	2	3	4			
म्रागुलिपिक श्रेगी-3	273 (1985)	रक्षा सेवाओं में सिविलियन, सनूह "ग" (ग्रगाजपत्रित) ग्रनुसचिवीय	330-10-380-द.गं. 12-500 द.गे15- 560 म.	होता स	क णिथिल की ज टप्पण: (1) श्राद् के लिए निर्णाट बाले श्राम्पर्थियों मान और निव में रहते हैं) श्रा	के लिए ग्रायु 35 वर्ष त सकती है) (सीमा ग्रवधारित करने क तारीख भारम में रहरे से (उनसे भिन्न जो अंड- तेबार बीप तथा सक्षडीप वेदन प्राप्त करने के लिए अंसिम क्षारीख होगी।
				(;	रोजगार कार्याल जाती है, ग्रायु- लिए निर्णायक यह अंतिम तार्र कार्योक्य से उ	वाक्षत, जिन पर नियुक्ति य के माध्यम से की सीमा अवधारित करने के तारीख प्रत्येक मामले में खि होगी जिस तक रोजगाः प्रथियों का मामनिर्देशः कहा गया है।
_ _	7		8 	,	9	10
(1) मैट्रिकुनेशन या स (2) ध्राणुलिपि में 8 मिनट की शुद्ध गति	0 शब्द प्रतिमिसट की ।	ऑंग अंग्रेजी टेक्ण में 10	शागृनर्ह शब्द प्रति	ॉं होता दो	विषं	मीधी भर्ती हारा
हिन्दी आशुलिपि में मिनट की गुड़ गति		् ी और हिन्दी टंकण में ः	10 शब्द प्रति			

लागुनहीं होता दो वर्ष सीधी भर्ती द्वारा

1	2	3	4	5	6
भंडारी	381	रक्षा सेवाओं में	260-6-290 व.गे.	लागू नहीं	25 वर्ष।
	(1985)	सिविलियन समृह "ग"	8-326-8-366 व .सो	. होता	(सरकारी मेवकों हे लिए प्रायु 35 वर्ष तक
		(ग्रगज पवित) धनुमन्	(- 8-390-10-400 €.		शिथिल की जा सकती है।)
		भीय ।			टिप्पण: (1) द्वायु-मीमा ध्वज्ञारित करने के
					लिए निर्णायक तारीख, भारत में रहने
					वाले श्रक्ष्यर्थियों से (उनमें भिन्त जो अंदमान
					और निकोबार द्वीप तथा खक्षद्वीप मे
					रहते हैं) ग्रावेदन प्राप्त करने के लिए
					नियत की गई अंतिग तारीख होगी।
					(2) ऐसे पर्वों की बाबन, जिस पर नियुक्तिन
					राजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती
					र्ध प्रासु-सीमा श्रवधारित करने के लिए
					निर्णायक नारीख प्रत्येक मामले में, बह
					अतिम सारीख होगी जिस तक राजगार
					कार्यालय से भ्रभ्यांथयों का नामनिर्देशन करने
					के लिए कहा गया है।

(क) मैद्रिकुलेशन या सममुख्य ग्रहेता। (स्त्र) भंद्रारण में की वर्ष का ग्रानुभव ।

[भाग H-—खंड 4]

लागुनही होता

मागृनही होता

श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

(ग) अंग्रेजी टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की शुद्ध गति।

हिन्दी टंकण में 25 शब्द प्रति मिनट की शुद्ध गप्ति।

13

लागुनहीं होता

11

(प्रोन्नति और पुष्टि के लिए) विभागीय प्रान्नतिसमिति-III ओ निस्नलि**ख**त से मिलकर बनेगी :--- लाग् नहीं होता

(क) ग्रध्यक्ष:

स्थापन/प्रयोगशाला/कार्यालय/एकक/केन्द्र स्रादि का प्रधान ।

(स्त्र) सवस्य :

- स्थापन/प्रयोगशाला/कार्यालय/एकक/केन्द्र भ्रादि के दो ज्येष्ठ भ्रधिकारी ।
- एक ऐसा अधिकारी जो विभागीय सदस्य की विकान के समनुत्य हो किन्तु जिसका सर्वध विकास में न ब्रेही।

[सं. 87661/एस एस के/कार डी/का.—1/1935/डी (फ्रारएंड की)] दुर्गा दास, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 30th June, 1986

- S.R.O. 275.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Clerks, Store-keepers, Cashier, Stenographer Grade II and Stenographer Grade III in the Defence Research and Development Organisation, Ministry of Defence, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Defence Research and Development, Organisation, Ministry of Defence, Clerks, Store-keepers, Cashiet, Stenographer Grade II and Stenographer Grade III posts Recruitment Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.
- 4. Method of recruitment, promotion, age limit and qualifications.—(1) The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedule aforesaid.
- (2) For the purpose of promotion, each Establishment Office/Laboratory/Unit/Centre of Defence Research, and

Development Organisation shall be considered a separate and independent unit and promotion of eligible employees to the next higher posts shall be made within the Establishment, Laboratory Office | Unit | Centre only

Provided that for the purpose of promotion all Resident Technical offices combined together shall be considered as a single Unit.

- 5. Disqualification.—No person.—
 - (a) who has entered into or contracted a matriage with a person having a spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personnel law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Exservicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULF.

Name of posts	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non- selection post	Age limit for direct recruitment		and other qualifica- red for direct recruit
- <u> </u>	2	3	4	5	(6	7
Upper Division Clerk.	*672 (1986) *Subject to variation depen- dent on work- load.	Civilian in Defence Services, Group 'C', (Non-Gazetted) Ministerial	Rs. 330-10-380- EB-12-500-EB- 15-560-	Non- Selection	Not a	applicable	Not applicable

			413, 131 1 14 144 - 129 120 platence 7	.2) 1000	201
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotee		whether by direct recruit-	In case of recruitment by pro- motion/transfer, grades from which promotion to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances under which UPSC is to be consulted fo making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By promotion on the basis of seniority-cumfitness 75%. By promotion on the basis of departmental competitive examination 25%. Provided that there shall be no departmental Competitive Examination in case the total sanctioned strength of Lower Division Clerks does not exceed fifty in the unit (Establishment/Laboratory/ Centre/Office/Unit etc.)	cight years regular service in the grade in the unit/office/establishment/laboratory/centre/unit etc. in which they are considered for promotion. Promotion on the basis of departmental competitive Examination. Lower Division Clerks with five years regular service in the grade in the unit (Office/Establish-	Committee III (for promotion and consideration of confirmation of direct recruits) consisting of: (a) Chairman Head of the Establishment/ Laboratory/Office/ Unit/Centre etc. (b) Members:— (i) Two Senior Officers of the Establishment/ Laboratory/Office/ Unit/Centre etc.	

1	2	3	4	5	6	7
Lower Division	*1040 (1986) *Subject to variation dependent on work- load.	Civilian in Defence Services Group 'C' (Non-Gazetted) Ministerial.	Rs. 260-6-290- EB-6-326-8-366- EB-8-390-10- 400.	Non- selection	25 years. Note:—(i) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). (ii) In case where applications are obtained through Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit in each case shall be the last date upto which Employment Exchanges are asked to nominate the candidates.	(a) Matriculation or equivalent qualifications. (b) Accurate speed typing in English at 30 words per minute. OR Accurate speed of typing in Hindi at 25 words per minute (for posts requiring knowledge of typing in Hindi.)

Я	ņ	10)	11	•	12	1 1
Educational qualifications Yes AgeNo	Two yes	—90 %. (ii) by prombasis of sofitness, qualifying Departme Examinati Note:—If n duals? 6 Limited I Examinati the preser be filled method, in cular year candidate shall be against wo subsequen (iii) By prom	ction on the eniority-cum- subject to the Limited ntal con—5%. nore "indivi- qualify the Departmental ion "than" libed quota to up by this n any partire, the excess s left over, a adjusted recancies in t years totion on the piority-cum-	five years reg the grade in the Establishmen Laboratory/L	ular service in eunit (Office- t/Centre/ Init etc.) in re considered	Departmental Promotion Committee III (for promotion and confir- mation) consisting of- (a) Chairman: Head of the Establishment/ Laboratory/Office/ Centre Unit, etc. (b) Members: (i) Two senior officers of the Establishment/ Laboratory/Office/ Centre/Unit, etc. (ii) An officer equivalent to the rank of de- partmental members but not concerned with the department.	applicah
				-		 _	
1	2	3	4	5	6	7	
Cashier	(1986) *Subject to varia- tion depen- dent on workload	Civilian in Defence Services Group 'C' (Non-Gazotted) Ministerial.	EB-12-500-EB- 15-560. (Special pay of cashier will be admissible as provided in Ministry of Defence letter No. 26104/ Cashiers/RD-2 3365/D(R&D), dated 28th July 1984)	4/	Not applical	ole Not applicable	
8		10	- • • •	11		12	13
No	Not applicat	By Transfer		ment/Office/L Centre/Unit of they are contransfer and	nit (Establish-	Not applicable	Not applicable
	······································	3	4		6	_	
Stenographer Grade II	*318 [1986] *Subject to	Civilian in Defence Services, Group 'C' (Non-Gazetted) Ministerial	Rs. 425-15-500- EB-15-560-20- 700-		Not applical		

8	9	10		11		12		13
No	Not applicabl	By promotic	on	Stenographer G five years regr the grade i (Office/Centre ment/Laborate in which they dered for pron	n the Unit /Establish- ory/Unit etc.) y are consi- notion.	Committee promotion mation) co (a) Chairma Head of ti ment Lab Unit/Cen (b) Members (i) Two ser of the E Laborate Office/C (ii) An office to the re partmen but not	he Establish- coratory/Office tre etc.	applicable.
			4	5	6			7
Stenographer Grade III	(1986) •Subject to variation	Civilians in Defence services Group 'C' Non-gazetted Ministerial	Rs. 330-10-386 EB-12-500-EB 15-560.)- Not	25 years.	te upto te case (ii) tent ser- crucial mining t shall g date applicandi (other Anda- licobar). where tre ob- th Em- hanges ate for he age the case st date mploy- ges are minate	Matriculation qualifications Accurate spec per minute in 40 words p typing in Eng or Accurate spec per minute in Hindi and 3	or equivalent ed of 80 words shorthand and er minute in
8	9	10		11		12		13
Not applicable	Two year		ruit me nt I	Not applicable		promotion tion) consis (a) Chairman Head of ment/Lab Office/Un etc. (b) Member (i) Two se of the l ment/Off Laborate etc. (ii) An office to the r partmen	e III (for confirma- sting of :— the Estab- oratory/ it/Centre s :— nior officer Establish- fice/Unit/ orry/Centre	Not applicab le .

		3 	- <i>,</i> 4	5	6		7	
Senior Storekeeper	*353 (1986) *Subject to varia- tion depen- dent on work- load.	Civilian in Defence Services, Group 'C' (Non-Gazetted) Ministerial.	Rs. 330-10-386 EB-12-500-EB 15-560-		Not applicab	le Not	applicable	,
								•
8	9	10		11		12		13
No	Not applicable	By promotio	on S	Storckeepers with regular service in the Establis ratory/Office/C etc. in whice cosidered for p	in the grade (hment/Labo- Contre/Unit h they are	lishment/I Office/Ur etc. (b) Members (i) Two sen of the ment/I Office/ etc. (ii) An officer to the r partment	n and con- sting of :— :— the Estab- aboratory/ olt/Centre :— dor officers Establish- aboratory/ (Unit/Center requivalent ank of de- cal members	Not applicable
			, 				concerned lepartment-	· · · —
1		3	, 4		 			· . <u>-</u>

							
8	9	10	11	12	13		
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Departmental Promotion Committee III (for confirmation) consiting of : (a) Chairman : Head of the Establishment/Laboratory/ Offic/Unit/Contrecte. (b) Members : (i) Two senior officer of the Establishment/Office/Unit/ Laboratory/Centrecte. (ii) An officer equivalent the rank of departmental members but	Not applicable		
				not connected with the department.			

[No. 87661/Minis/RD/Pers-1/1935/D(R&D)]
DURGA DASS, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 ग्रगस्त, 1986

फा. मि.आ. 276—राष्ट्रपति, संविधान के मनुक्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय वायु सेना में भायुर्वेदी चिकित्सक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्निस्थित नियम बनाते हैं, भ्राथीत् :—

- 1. संक्षिपत সাম और प्रारम्भः (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम भारतीय नायुसेना अत्युनेवी चिभित्सक धर्ती नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में अवस्थान की तारीख को अनुत्त होंगे।
- 2. पद-संख्या, वर्गीकरण और बेननमान : उक्त पत की ल्संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेसनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायन ब्रानुसूची क स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्विष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धति, म्रायु-सीमा, और म्रन्य म्रहुँवाएं म्रावि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, म्रायु-सीमा, महूँन एं और उससे संबंधित भ्रन्य दाहें वे होंगी को पूर्वोक्त मनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विनिद्धिट हैं।
 - निरईतां वह व्यक्ति ;
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पनि या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह फिया है, या
 - (ख) जिसने भपने पति था अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विनाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के प्रत्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के ग्रधीन अनुभैय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे स्केगी।

- 5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राथ है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपर्यंघ को किसी वर्ग याप्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, श्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 6. ज्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आएक्षणों, अयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रश्नाव नहीं छालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार हारा आरक्षणों इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रकर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

भायुर्वेदी चिभित्मक	2 [*] (1986) (कार्य भार के	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "श्व" राजपक्रित प्रमृतुसचिकीय	650-30-740-35- 810-व. रो35-880- 40-1000-व.रो	लागू नहीं होता	30 वर्ष से झिंधक नहीं (केम्ब्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए झनुवेशों या द्वादेशों के	
1	2	3	4	5	б	. 7
ণ্য ক্য ৰাম্	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनम्।न	चयन पद स्रथना स्रथम पद	सीघे भर्ती किए अने वाले व्यक्तियों के सिए आयुर्चीभा	सेवा में जोड़े गए वर्षी का फायवा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियम, 1972 के नियम 30 के ब्रबीन अनुजेय हैं या नहीं

5 1 भाधार पर परि-40-1200 ₹. भनुसार सरकारी सेवकी के बर्तन किया आ लिए 5 वर्ष सक कियिल की ष्यासकती है। सकता है। टिप्पण: ग्रायु-सीमा ग्रवधारित भारने के लिए निर्णायक तारीब, भारत में रहने वाने धभ्यवियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) भावेदन प्राप्त कपने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। सींडो भीं किएत जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवीक्ता की प्रविध, यदि कोई ही विष्ठित भाय और मैक्षिक भहेताएं प्रोन्तत चहताएं व्यक्तियों की दशा में लाग होंगी या नहीं Я 10 प्रावश्यकः किसी विश्वविद्यालय या जा स्तीय ग्रायु विज्ञान में कानूनी/ नागुनहीं होता केवल सीघे भर्ती किए जाने वाले ब्यक्तियों 🧚 राज्य/बोर्ड/परिवर्व/संकाय से भायुर्वेदी डिग्री या डिप्लोमा । लिए दो वर्ष। (ii) इस यक्ति में 5 वर्षया धनुभव (श्रिसके मन्तर्गत किमी मान्यताप्राप्त प्रायुर्वेदी प्रस्पताल में लगभग दो वर्ष का प्रतुभव भी है। टिप्पण 1. महैत।एं ग्रन्यंथा सुम्रहित ग्रन्ययियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिविल की जा सकती है। टिप्पण : 2. धनुभव संबंधी घहुंता (घ्रहुंताएं) संव नोका सेवा भायोग के विवेकानुसार भनुसूचित जातियों और मन् स्वित जनजातियों के मध्यवियों की वक्षा में तब शिथिल की जा सकती है(हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा झायोग की यह राय है कि उसके लिए प्रारंक्षित रिक्तियों को भरने के लिए भवेक्षित भनुभव एखने कले समुदायों के भक्ष्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सर्केंगे। बाछनीय : भायवेंव में मान्यता-प्राप्त स्नातकोत्तर मर्हता । भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे होगी यः प्रोक्तित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्वानींतरण प्रोत्निति/प्रतिनियुक्ति/स्थानितरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रीणयां जिनसे प्रोत्निति/ कारा तथा विभिन्न पद्मतियों कारा भरी जाने वाली रिक्टियों की प्रतिप्रतता प्रतिनियुक्ति/स्थानतिरण किया जाएगा 12 11 प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण द्वारा शिसके न हो तकने वर तीवी भर्ती प्रतिनियंक्ति पर स्थानांतरण/स्थानांतरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के ऐसे ग्रधिकारी जो सद्दश पद धारण किए दक् धारा हों और जिनके पास स्तंभ 8 के नीचे मीधे मर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहिस मैक्षिक महेताएं और मनुभव हो ।

> (प्रतिनियुष्ति की प्रविध, जिसके प्रन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में इस निवृष्ति से ठीक पहले धारित किसी प्रन्य काङर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की धविष्ट

है, साधारणतया तीन वर्ष से ग्रधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोम्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने के लिए किम परिस्थितियों में संघ लोक सेवा द्यायीग से परामर्ज किया जाएगा

13

समृह 'व' विभागीय प्रोन्नति समितिः— (पुष्टि के संबंध में जिचार करने के लिए)— :

कार्मिक निदेशक,
 (वायुसैनिक) वायु सेना मुख्यालय—प्राध्यक्ष

2. उप सचिव (ब(यु) रक्षा मंत्रासय

--सदस्य

वं युक्त कार्मिक निदेशका,
 (सिविलियन) वायु सेना मुख्यालय सदस्य

टिप्पण े पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोम्मति समिति की कार्यवाहियां, संघ लोक सेवा प्रायोग के धनुमोदनार्य मेजी जाएंगी किन्तु, यदि उक्त प्रायोग उनका प्रानुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा प्रायोग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य की प्रध्यक्षता में फिर से होगी।

सीधे मर्ती करते समय और प्रतिनियुक्ति और स्थानांतरण पर नियुक्ति के लि**ए** किसी अधिकारी का चयन करने समय अंथ लोक सेवा प्रामीण से परामर्ख करना मावस्थक है।

14

[फाईल संख्या वायु सेना मु. | 23049 | 409 | पी. सी. 3 (ए.)] एम. सी. जुनेजा, अवर संख्य

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reason to be recorded in writing and inconsultation with Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Schedule Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

TTY the aller Am Marie Con House Wheels a house

New Delhi, the 22nd August, 1986

S.R.O. 276.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Ayurvedic Physician in the Indian Air Force, namely.—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Air Force Ayurvedic Physician Recruitment Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, qualification and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.
 - 4. Disqualification.—No person,—
 - (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether select- tion post or non selection post	recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of CCS/(pension, Rules 1972)	
1	2	3	4	5	6	7	
Ayurvedic Physician	2*(1986) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service Group 'B' Gazetted Non- Ministerial	Rs. 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000-EB- 40-1200.		Not exceeding 30 yrs. (Relaxable for Governments upto 5 year in accordance with t instructions or order issued by the Central Government.) Note: The crucial date for determining the age limit shall be	vt. irs the ors	

cruitment.

13

Group 'B' DPC (for considering confirmation):

1. Director of Personnel (Airmen) Air Headquarters-Chairman

2. Deputy Secretary(A) Ministry of Defence-Member.

3. Joint Director Personnel (Civilians) Air Headquarters-Member Note: The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to the confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission. a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee is to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission, shall be held.

Consultation with the UPSC necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on depuatation and transfer.

नई दिल्ली, 26 भगस्त, 1986

का॰ नि॰ भा॰ 277.—राष्ट्रपति, संविधान के भनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदक्ष धिक्तयों का प्रयोग करते हुए, प्रायुध कारखाना, महानिदेशालय मुख्यालय लिपिक सेवा नियम, 1977 का भीर संशोधन करने के सिये निम्नलिखित नियम बमाते हैं, प्रधांत् :—

- (1) इन नियमों का नाम प्रायुध काएखाना, महानिदेशालय मुख्यालय लिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1986 है;
- (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. धायुध कारचाना, महानिवेशालय मुख्यालय निर्पक सेवा नियम, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), के नियम 2 में....
 - (1) खण्ड (घ) के पश्चात्, निम्मलिखित खंड ग्रन्तःस्यापित किया जाएगा, प्रयति:—
 - "(घर्ष) "प्रायोग" से भारत सरकार के मंत्रिमण्डल सिवालय (कार्मिक विभाग) सं० 46/1 (एस)/74-स्था० (वी) तारीख 4 नवम्बर, 1975 के संकल्प के प्रनुसरण में स्थापित कर्म-धारी वयन प्रायोग, प्रकिप्रेत है ।";
 - (2) खण्ड,(इ) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, भर्यात् :---
 - "(क) "सीधे भर्ती व्यक्ति" से वह व्यक्ति प्रभिन्नेत है ओ कर्मधारी खयन भागोग ढारा भागोजित न्नतियोगिता परीक्षा के भाषार पर निस्न श्रेणी निषिक के ग्रेड में भर्ती किया जाता है क्रीर वे व्यक्ति भी हैं जिन्हें नियम 11 के भ्रधीन या तृतीय भ्रमुख्नी में भवर श्रेणी ग्रेड (समृह "ग" निषिकवर्गीय) के सामने "भस्यायी रिक्तिया" शीर्ष के भन्तर्गत स्तम्म 3 में खण्ड (क) के भ्रधीन भर्ती किया जाना है।"
 - (3) खण्ड (ण) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखाजायगा, ग्रयित्:---
 - "(ण) "चयन बोढें" से प्रभिन्नेत है वह बोढें जिसकी नियुक्ति उच्च श्रेणी लिपिकों तथा प्रवर श्रेणी निगकों के पदों गर सर्ती के लिए ग्रीर ग्रामेलन के लिए व्यक्तियों का चयन करने के लिये की गर्ड है भीर इसमें निम्नलिखित होंगे:---
 - निर्वेशक, भागुध कारचान बोर्ड मुख्यालय---- मध्यक्ष
 - 2. संयुक्त निरोजक---सदस्य
 - संगुक्त निवेशक---मदस्य"
- उन्तर नियमों के नियम 11 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायना, श्रयीत्,:—-
 - "11 कतिपय दशाकों में णियिल करने की शक्ति:-

तृतीय मनुसूची में वर्णित किसी धात के होते हुए भी, महानिदेशक, आयुध कारखाना, सेवा की धवधि के दौरान सरकारी सेवक की मृत्यू होने या चिकिस्सीय आधार पर उसकी सेवानिवृत्ति हो जाने की दशा में उसके पूज या पुत्ती या पत्नी या पति या भाई या बहन को, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर आरी किए गए नियमों या ब्राइकों के धनुसार, निस्न श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्त कर सकेगा।"

- 4. उक्त नियमों के नियम 14 में---
- (1) उप-नियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित ्उप नियम रखा आएगा, मर्थात्:---
 - "(1) जब सेवा के किसी सदस्य ने जो आयोग के माध्यस से परि-वीक्षा पर किर्मः पद पर नियुक्त किया गया है, नियुक्ति प्राधि-के समाधानप्रय रूप में परिवीक्षा की श्रवधि पूरी कर सी

- हो तब, वह, यथास्थिति, श्रिष्ठिष्टायी रूप से नियुक्त किये जाने या वने रहने का पान होगा।
- (2) उप:-नियम (2) मैं, खंड (क) के स्थान पर, निय्नलिखित खंड रखा जायगा, प्रथित्:---
- "(क) जब ध्रायोग के माध्यम से नियुक्त किये गये किसी परिवीधा-धीन व्यक्ति ने नियुक्ति प्राधिकारी के साम्रानप्रद रूप में परि-वीका धवधि पूरी कर की है, तब वह उस ग्रेड में पुष्टि का पाल होगा।
- "(क-क) जब प्रवर श्रेणी ग्रेड के किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने,
 नियम 11 के अधीन या तृतीय प्रानुसूची में प्रवर श्रेणी ग्रेड
 (ममूह "ग" लिपिकवर्गीय) के सामने 'अस्थायी रिक्तिया'
 यीर्व के अन्तर्गत रतम्भ 3 में खण्ड (क) के अधीन चयन कोई
 क्षारा प्रायोजित टंकण परीक्षा उत्तीर्ण कर ली ही या उसे यारीरिक जशक्तता के कः एण टंकण परीक्षा उत्तीर्ण करने से विनिर्विष्ट
 कप से छूट दे दी गई हो भीर उसके नियुक्ति प्रधिकारी के समाधान प्रव रूप में अपनी परीक्षिता की भविष्ठ पूरी कर ली हो, तो
 वह उस ग्रेड में पुष्टि का पात्र होगा।"
- उक्त नियमों के नियम 20 का लोप किया जायगा।
- 6. उक्त नियमों की सीसरी धनुमूत्री में, स्तंम 3 में घवर श्रेणी ग्रेष्ठ (समूह "न" लिपिकवर्गीय) मद के सामने, विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियों रखो जायगी, श्रर्थात् :---

"प्रधिष्ठायी रिक्तिया"

ग्रेंड में प्रधिष्ठायी रिक्तियां, ग्रेड के ऐसे प्रस्थायी कर्मचारियों में से (जो प्रायोग के माध्यम से नियुक्त किये जाते हैं, जिन्होंने परिवीक्षा की ध्रविध समाधानप्रद रूप से पूरी कर ली है, ज्येष्टता के कम में, अयोग्य ध्यक्तियों की प्रस्वीकार करते हुए, भरी जायंगी । उकत ग्रेड में ये रिक्तियां ग्रेड के ऐसे प्रस्थायी कर्मचारियों में से जो नियम 11 के घ्रधीन या इस अनुजूबी के "प्रस्थायी रिक्तियां" शीर्ष के प्रधात, खण्ड (क) के प्रधीन नियुक्त किये गये हैं प्रौर जिन्होंने चयम बोड द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा उत्तीणं कर ली है या जिन्हों इससे छूट वी गई और जिन्होंने परिवीक्षा की ध्रविध समाधानप्रद रूप में पूरी कर ली है, ज्येष्टता के कम में, ध्रयोग्य व्यक्तियों को प्रस्वीकार करते हुए परी जायगी:

परस्तु प्रनुस्थित आतियों श्रीर ग्रनुस्थित जनजातियों के मामलों पर विचार करते समय केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए ग्रनुदेशों ग्रीर ग्रावेशों के ग्रनुसार उनके लिये ग्रारक्षण किया जायगा।

ग्रस्थायी रिक्तियांः—मस्थायी रिक्तियां निम्न प्रकार से मरी जाएंगें, ग्रथतिः—-

(क) 10 प्रतिभात रिक्तियां (प्रथम प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट मुख्यालयों के निष्णमित स्थापन में के) समृह "ध" कर्मचारियों में से नियुक्ति द्वारा और ऐसे व्यक्तियों में से जिन्होंने माध्यमिक परीक्षा या समतुत्य उत्तीण कर सी है और जिन्होंने चयन बोर्ड द्वारा

- मायोजित टंकण परीका उसीर्ण की है या जिन्हें इस प्रयोजन के लिये चयन बोर्ड द्वारा बायोजित प्रतियोगिता परीक्षा के बाधार पर छट दी गई गई है, भरी आयगी।
- (खा) 90 प्रतिगत रिक्तियां ऊपर खंड (क) के परन्तुक के घनुसार सरकार द्वारा प्रविधारित उच्चतर प्रतिशत तक रिक्तियां घायोग द्वारा इस प्रयोजन के लिये झायोजित परीका के श्राधार पर सीधी भर्ती द्वारा मरी जाएंगी।
- टिप्पण:--सीधी मर्ती के लिये, अनुसूचित जातियों भीर भनुसूचित जन-जातियों भौर भूतपूर्व सै निकों के लिये रि_{वि}तयों के आरक्षित कोटे में समय-समय पर सरकार द्वारा आरी किए गए नियमों भी घावेगों के मनुसार मारक्षण होगा।"

[सं० 6(2)/ 83/II/डी पेंडरी-II] मार एस० चौधरी, डेस्क मधिकारी

टिप्पण: (1) मुल नियम, भारत के राजपत, भाग 2, बड 4 तारीख 12-2-77 में का. नि. मा. सं. 44 तारीख 31-01-77 बारा प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 26th August, 1986

- S.R.O. 277.-In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate General, Ordnance Factories Headquarters Clerical Service Rules, 1977, namely:—
 - (1) These rules may be called the Directorate General, Ordanace Factories Headquarters Clerical Service (Amendment) Rules, 1986.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Directorate General, Ordnance Factories Headquarters Clerical Service Rules, 1977 (hereinufter referred to as the said rules), in rule 2,--
 - (i) after clause (d), the following clause shall be inserted namely :---
 - '(dd) "Commission" means the Staff Selection Commission set up in pursuance of the Resolution of the Government of India in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel) No. 46|1(s)|74-Estt. (B) dated 4th November, 1975.';
 - (ii) for clause (e), the following clause shall be substituted, namely :-
 - '(e) "Direct recruit' means a person recruited to the Lower Division Clerk Grade on the basis of a competitive examination held by the Commission and also those persons recruited under rule 11 or under clause (a) in column (3), under the heading "Temporary vacancies" against the Lower Division Grade (Group 'C' Ministerial) in the Third Schedule';
 - (iii) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely :-
 - "(o) 'Selection Board' means the Board appointed for selecting persons for recruitment and absorption for posts of Upper Division Clerks and Lower Division Clerks comprising the folcomprising the following :-
 - 1. Director, OFB HQrs.
- Chairman
- 2. Joint Director
- Member
- 3. Joint Director
- Member.":

- 3. For rule 11 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :-
 - "11. Power to relax in certain cases:—Notwithstanding anything contained in the Third schedule the anything contained in the Third schedule the Director General, Ordnance Factories may in case the Government servant dies while in service or is retired from service on medical grounds, appoint the said Government servant's son or daughter or spouse or brother or sister, to the post of the Lower Division Clerk in accordance with the rules or orders issued by the Central Government from time to time in this behalf."

 - 4. In rule 14 of the said rules,
 (i) for sub-rule (1), the following sub-rules shall be substituted, namely :—
 - "(1) when a member of the service appointed to the post on probation through the Commission has completed the period of probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible to be substantively appointed or continued therein, as the case may be.
 - (1A) Any person who is appointed to the post under rule 11 or under clause (a) in column (3), under the heading "Temporary vacancies" against the Lower Division Grade (Group 'C' Ministerial) the Third Schedule, has passed the typing test held by the selection Board or has been specifically exempted from passing the typewriting test due to physical disability and has completed the period of probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible to be substantively appointed or continued therein, as the case may be."
 - (ii) in sub-rule (2), for clause (a), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(a) When a probationer in the grade appointed through the completed the period of the probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be elligible for confirmation in that grade;
 - "(aa) when a probationer in the Lower Division Grade when a probationer in the Lower Division Grade appointed under rule 11 or under clause (a) in column (3), under the heading "Temporary vacancies" against the Lower Division Grade (Group 'C' Ministerial) in the Third Schedule, has passed the typewriting test held by the Selection Board or has been exempted from passing the typewriting test due to physical disability and has completed the period of probation ability and has completed the period of probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible for confirmation in that
 - 5. Rule 20 of the said rules shall be omitted.
- 6. In the Third Schedule of the said rules, against the item Lower Division Grade (Group 'C' Ministerial), in column (3), for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely
 - "Substantive vacancies:—Substantive vacancies in the grade shall be filled amongst temporary officers of the Grade (appointed through the Commission) who have completed the period of probation satisfactorily, in order of seniority, subject to the rejection of unfit. These vacancies in the said grade shall also be filled from amongst temporary officers of the grade (appointed under rule 11 or under clause (a) after heading "Temporary vacancies" of this schedule who have either passed the type-writing test held by the Selection Board or have been exempted therefrom and who have completed the period of probation satisfactorily, in order of seniority subject to the rejection of unfit:

Provided that while considering the cases of officers belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, reservation shall be made in accordance with such instructions and orders as may be issued from time to time by the Central Government.

Temporary vacancies: —Temporary vacancies shall be filled in the following manner, namely:—

(a) 10% of the vacancies may be filed by appointment of Group 'D' employees borne on the regular establishment of the Headquarters specified in the First Schedule) and who have passed the secondary Examination or equivalent and have passed the typewriting test held by the Selection Board or have been specifically exempted therefrom on the basis of competitive examinations held for the purpose by the Selection Board:

Provided that if sufficient number of persons do not become available, the vacancies shall be filled in the manner prescribed in clause (b);

(b) 90% of the vacancies or such higher percentage as may be determined by the Government in accordance with the proviso to clauses (a) above, shall be filled by direct recruitment on the basis of competitive examinations held for the purpose by the Commission.

Note: Reservation of vacancies against the quota reserved for recruitment for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and for ex-servicemen shall be in accordance with the rules and orders issued by the Government from time to time.

[No. 6(2)|83|II|D(Fy-II)] R.S. CHOUDHURY, Desk Officer

NOTE: (1) Principal rules published vide SRO No. 44 dated 31-01-77 Part II Section IV of Gazette of India dt. 12-2-77.

नई दिन्ती, 22 अगस्त, 1986

का.नि.मा. 278: — राष्ट्रपति, संविधान के मनुष्टिय 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शनितयों का प्रयोग करतें हुए, माफिसर प्रशिक्षण रक्षूल, मद्रास (समूह व पर) स्थापना भधिकारी मर्ती नियम, 1980 का भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिकित नियम बनाते हैं, मर्थात् :----

- া (1) इन नियमों का संकिप्त नाम, माफिसर प्रशिक्षण स्कूल, महाम "ब" पद स्थापना मधिकारी भर्ती (संशोधन) नियम, 1986 हैं।
 - (2) ये राजपत में प्रकाशन की तारी व की प्रवृत्त होंगे।
- 2. ग्राफिसर प्रशिक्षण स्कूच, महास- (समूह "का" पव) स्थापमा ग्रधिकारी, भर्ती नियम, 1980 में, भनुसूची के स्थान पर निम्मलिक्षित प्रनुसूची रखी जाएगी, प्रथति :---

				मनु <mark>त्</mark> ची					
पद्यकानाम	पदों की संबया	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पव प्रथमा श्रचयन पद	सीघ भर्ती किए जाने वाले भायुसीमा	थ्यक्तियों के लिए	सेवा में जोड़े गए, अपं को फायदा फ़ेल्क्रीय सिविस सेवा (पेंशक) नियम, 1972 के नियम 30 के मधीन मनुशेंस है या नहीं		
1	2	3	4	5	6		7		
स्यापना द्यक्षिकारी	1 के (1986) कितायमार के साधार पर परिचर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समृह "क्व" राजपन्नित, मनुसचिवीय	650-30- 740-35- 810-द. रो35- 880-40-1000 ब.रो40- 1200 च.	चयन	30 वर्ष से प्रधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए धनुदेशों या भादेशों के भनुसार सरकारी सेवर्कों के लिए 5 वर्ष तक शिविल की जा सकती है। टिप्पणी:—भागु सीमा भनधारित करने भे लिए निर्णायक तारीख, भारत में भभ्यश्रिय से (उनसे भिन्न जो भंदमान और निकोवार द्वीप तथा सक्षद्वीप में हैं) साध्यन प्राप्त करने के लिए नियत की गई भ्रतिम तारीख होगी।				
सीधे चर्ती किए प भ्रम्य चर्नेताएँ	प्राप्ते काले व्याप्ति	स्तयों के लिए ग्रीक्ष	ति ए	बिहित भायु व्यक्तियों न	जाने वाले व्यक्तियों के प्रीर सीक्षिक महेताएं गी दला में लागू होंगी	परित्रीक्षा की ग्रवधि	मदि कीई हो		
	-1	3			9	10			
भावस्थकः (i) किसी मान्यतामान्त विक्वविद्यालयं का विक्री या सम्रमुख्यः		IGHRZ:-	मर्	Ţ	2 वर्ष	": 			

8

(ii) किसी सरकारी कार्यालय या किसी लोक निकाय या क्यांतिप्राप्त वाणिज्यक संगठन में पर्यवेक्षी हैसियब में प्रशासन लेखा भीर स्थापन-काय का 5 वल का अनुभल। किपणी:1--- मर्हताएं अत्यक्षा मुर्भाहत प्रभ्यविधों की दणा में सेघ लोक सेवा प्रायोग के विवेकानुसार शिथिस की जा सकती हैं।

िष्पणी: 2. मनुभव संबंधी भहेंता (महंताएं) संथ लोक सेवा भाषोग के विवेकानुसार भनुसूचित जातियों और भनुसूचित जनजातियों के मध्यिथयों की दला में सब शिथिल की जा सकती है (हैं) अब चयन के निसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा भाषोग की यह राय है कि उनके लिए भारिकत रिक्तियों को भरने के लिए भपेक्षित भनुभव रखते वाले उन समुवायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संक्या में उप-लब्ध नहीं हो सकेंगे।

बांछनीय : --सरकारी नियमों धौर विनियमों का कान्।

मर्ती की पदाति/मर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्था-नान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदातियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोत्निति /प्रतिनियुन्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वक्ता में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्निति/प्रतिनियुनित/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

प्रोत्निति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थामीतरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य कावर से बाहर पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया सीन वर्ष से अधिक महीं होगी।

प्रोन्नति: — ऐसा कार्यालय प्रधीक्षक श्रेणी 2, जिसने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेथा की है, जिसके प्रंतर्गत ऐसी सेवा भी है, यदि कोई हो, जो कार्यालय प्रधीक्षक श्रेणी 1 की श्रेणी में की हो।
प्रतिनियम्बित पर स्थानांतरण:

12

केस्थीय सरकार के मधीन ऐसे मधिकारी :

- (क) (i) जो सद्गापव धारण किए हुए 🕻, भा
 - (ii) जिल्होंने 550-900 %. या समतुख्य वैतनमान वाने पदों पर 3 वर्ष सेवा की है, भीर
 - (iii) जिन्होंने 425-700 इ. या समतुख्य बतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है; भीर
- (का) जिनके पास स्तंभ 8 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित/वैक्षिक महताएं ग्रीट मनुभव हैं।

(फीडर प्रवर्ग के ऐसे विभागीय श्रीव्रकारी जो प्रोन्नित की सीबी लाइन में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विकार किए जाने के पाल नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्त व्यक्ति प्रोन्नित द्वारा नियुक्ति के लिए विकार किए जाने के पाल नहीं होंगे)।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

मर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा घायोन से परामर्क किया जाएगा

1.

14

समृह "ब" विभागीय प्रोग्नति समिति :

- (i) अपर महानिदेशक, सेना प्रशिक्षण (बी)—- अध्यक्ष
- (ii) त्रिगेडियर (पी सी टी) -- सपस्य
- (iii) मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी--सवस्य

टिप्पणी: — पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोत्मित सीमित की कार्यबाहियां,
संघ लोक सेवा धायोग के मनुमोदनार्थ सेजी जाएंगी किन्तु,
यवि धायोग सनका मनुमोदन नहीं करता है तो विधागीय
प्रोत्मित समिति की बैठक संघ लोक सेवा धायोग के प्राध्यक्ष
या किसी सदस्य की सम्प्रकाता में किर से होगी।

सीधी भर्ती करते समय संघ लोक सेवा मायोग के परामर्श करना मायश्यक

[का. वं. ए/7318/भी एत/एव दी-7]

टिप्पणी: — भूल नियम, भारत के राजपत, भाग 2, खण्ड 4 तारीच 7 बून, 1980 के पृष्ठ 220 से 221 पर, रक्ता संशालय की सरकारी श्रीधसूचमा संस्था का.नि.मा. 179 तारीच 28 मई, 1980 द्वारा प्रकाशित किए यए ये भीर श्वनका परवात्त्वकी संतोक्षन चारत के राजपक, साग-2, कंड 4, तारीक 29 मनम्बर, 1982 में प्रकाशित, सरकारी धश्चिसुचना सं. 259 तारीच 29 ध्यमुचर, 1982 द्वारा किया गया है।

ŧ١

New Delhi, the 22nd August, 1986

S.R.O. 278.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following Rules to further amend the Officer Training School, Madras (Group 'B' Post) Establishment Officer, Recruitment Rules, 1980 namely:—

1. (i) These rules may be called the Officers Training

School, Madras, (Group B' post) Establishment Officer Recruitment (Amendment) Rules, 1986.

- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Officers Training School, Madras (Group 'B' post) Establishment Officer Recruitment Rules 1980, for the Schedule the following Schedule shall be substituted, namely:—

Norma of post	No. of Post	Classification	Cools of -on W	Thathan outsettes	
Name of post	No. of Fost	Classification		Whether selection post or non-selection post	
1	2	3	4	5	
	*(1986) *Subject to variati dependent on workload.	on General Central Service, Group 'B', Gazetted, Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810- EB-35-880-40-1000-EB- 40-1200.	Selection	
Age limit for direct recruits		Educational and other qualifica- tions required for direct recruits.	Whether age and edu- cational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	if any.	
6	7	8	9	10	
Not exceeding 30 years. (Re able for Government servants to 5 years in accordance with orders/instructions issued by Central Government). Note: The crucial date for de mining the age limit shall be closing date for receipt of ap cations from candidates in In and other than those in Ar man and Nicobar Islands Lakshadweep).	tup the tter- the pli- dia	Essential: (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years experience of administration, accounts and establishment work in a supervisor capacity in a Government office or a public body or a commercial organisation of repute. Note 1: Qualifications ar relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.		2 years	
		Note 2: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities, possessing the requisite experience ar notlikely to be available to fit up the vacancies reserved for them. Desirable: Knowledge of Government			

rules and regulations.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by Promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made

12

11°

By Promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.

Promotion :

Officer Superintendent Grade II with 8 years regular service in the grade including service, if any, rendered in the grade of office Superintendent Grade I.

Transfer on deputation:

Officers under the Central Government.

(a)(i) holding analogous posts; or

- (ii) with 3 years service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent
- (iii) With 8 year's service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and
- (b) Possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under Col. 7, 8.

(Departmental Officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including the period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall ordinarily not exceed 3 years),

If a DPC exists, what is its composition

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment 14

13

Group 'B' DPC

(i) Addl. Director General of Military Training(B)—Chairman

(ii) Brigadier (PCT)--Member

(iii) Chief Administrative Officer-Member.

Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a member of the UPSC shall be held.

Conusttation with the UPSC necessary while making direct recruitment.

[F.No. A/73167/GS/MT-7]

Note: The Principal rules were published in the Gazette of India Part II Section IV dated 07 June, 1980 at pages 221 to 222 vide Government Notification, Ministry of Defence No. SRO 179 dated the 26 May 1980 and subsequently amended by Government Notification No. 259 dated 20 October, 1982 published in the Gazette of India, Part II Section 4 dated 29 November, 1982.

मई दिल्ली, 20 धनस्त, 1986

- का, नि. मा. 279:--राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेब 309 के परम्सक द्वारा प्रदत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए, सैनिक इंजीनियर सेका (सर्वेक्षण सहायक) भर्ती नियम, 1983 का भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:---
- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक इंग्रीनियद सेहा (सर्वेक्सण सहायक) चर्ती (दूसरा संगोधन) नियम, 1986 है।
 - (2) ये राजपत में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. सैनिक इंजीनियर सेवा (सर्वेक्षण सहायक) भर्ती नियम, 1983 में, नियम 7 के स्थान पर, निम्नलिखित एखा जाएगा, अर्थात् --
 - "7. ब्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आयक्तकों, बायु-सीमा में कुट धीर अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं शालेकी; जिल्लाह, केल्हीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाल गर आयेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भृतपूर्व सैनिकों धीर अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के उपवन्ध करना अपेक्षित **≹**1"
 - [एन एक सं. 85605/मार आर/एस ए I धीर II/सी एस सो सी एम , सी . जनेजा, अवर सरिव

- टिप्पण:---मूल नियम, भारत के राजपंत्र, भाग 2, खंड 4 तारीख 25 जून, 1983 में पृष्ठ 267 से 270 तक सं, का.नि.आ. 177 द्वारा प्रकाणित किए गए ये भीर तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए:---
 - (i) अधिसूचना सं. का. नि. आ. 15 तारीख 25 जनवरी, 1986

New Delhi, the 20th August, 1986

- S.R.O. 279:—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Military Engineer Services (Surveyor Assistants) Recruitment Rules, 1983, namely :
- 1. (1) These rules may be called the Military Engineer Service (Surveyor Assistants) Recruitment (Second Amendmont) Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. In the Military Engineer Service (Surveyor Assistant) Recruitment Rules, 1983 for rule 7, the following shall be substituted, namely:
 - "7. Saving: Nothing in those rules shall affect reservations, relaxation of ago-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons, in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard."

[MF No. 85605/RR/SAI &II /CSCC] M. C. JUNEJA, Under Secy.

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India Part II, Section 4 dated the 25th June, 1983 at pages 270 to 273 vide No SRO 177 and subsequently amended by:

(i) Notification No SRO 15 dated the 25th January, 1986.

नई दिल्ली, 26 धगस्त, 1986

का. ति. आ. 280:—-छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा अधिसूचित करती है, कि अनरल आफिसर कमाडिंग-इन-चीफ पश्चिमी कमान द्वारा श्री हरिजन्दर सिंह अधिकासी मैं अस्ट्रेट का स्थागपत स्वीकार कर लिए जाने के फलस्वरूप छावनी बीड अमृतसर में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फाइल सं. 19/11/सी./मू. व छा./86/3352/बी.(क्यू.एण्ड सी.]) Now Delhi, the 26th August, 1986

S.R.O. 280:—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Amritsar, by reason of the acceptance by the general Officer Commanding-in-Chief, Western Command, of the resignation of Shri Harjinder Singh, Executive Magistrate.

[F. No. 19/11/Amritsar/C/L&C/86/3352/D(Q&C)]

का. नि. आ. 281:—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा अधिसूचित करती है कि जिला मैजिस्ट्रेट, अमृतसर ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) में प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए भी समीर कुमार अधिगासी मैजिस्ट्रेट को छावनी बोर्ड अमृतसर का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनौनयन श्री मुरजिन्दर सिंह अधिगासी मैजिस्ट्रेट के स्थान पर किया गया है जिनका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फाइल मं 19/11/सी./मू. व छा./86/3352/डी.(भ्यू. एण्ड सी.) करनार सिंह, अवर सचिव

S.R.O. 281:—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) the Central Government hereby notifies that Shri Samir Kumar, Executive Magistrate has been nominated as a member of the Cantonment Board, Amritsar, by the District Magistrate, Amritsar in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-section (4) of section 13 of that Act vice Shri Harjinder Sirgh, Executive Magistrate whose resignation has been accepted.

[F. No. 19/11/Amritsar/C/L&C/86/3352/D (Q&C)] KARTAR SINGH, Under Secy.

नई बिल्ली, 22 बगस्त, 1986

का. नि. आ. 282:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय नायु सेना (ज्येष्ठ मनुवादक-हिन्दी) भर्ती नियम, 1983 का संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

 (1) इन नियमों का नाम भारतीय वायुमना (ज्येष्ठ अनुवादक-हिन्दी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1986 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकानन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. भारतीय बाबुसेला (ज्येष्ठ अनुवादक-हिन्ती) गर्ती नियम, 1983 की अनुसूची में, स्तम्भ 9 के नीचे की प्रविष्ठि के स्थान पर निम्नलिखिन प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थातः ----

"सीघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए दो वर्ष। प्रोम्नत/ स्थानान्तरित व्यक्तियों के लिए कोई परिवीका अवधि नहीं है।" [फाइल सं. वायुसेना मुक्यालय/23049/412/हिस्वी/पी.सी. 3(बी.)]

टिप्पण:---मूल नियम, भारत के राजपत्र भाग-2, खंड 4 में, रक्षा मंद्रालय की सरकारी अधिमूचना का नि.आ. 140 तारीख 13 अप्रैल, 83 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

Now Delhi, the 22nd August, 1986

- S.R.O. 282;—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Air Force (Senior Translator-Hindi) Recruitment Rules, 1983, namely:
- These rules may be called the Indian Air Force (Senior Translator-Hindi) Recruitment (Amendment) Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Indian Air Force (Senior Translator-Hindi) Recruitment Rules, 1983, under the column 9 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:
 - "Two years for direct recruits. No probation period for promotees/transferces."

[F. No. Air HQ/23049/412/Hindi/PC 3(B)]

Note: The Principal rules were published in the Gazette of India, Part II Section 4 vide Govt. notification Mln of Def SRO 140 dated 13 Apr 83.

मृद्धि-पक्ष

नई विल्ली, 20 जगस्त 1986

का. नि. आ. 283:---भारत के राजपत्न, भाग 2, खंब 4, तारीख 12 अक्तूबर, 1985 के पृष्ठ 391-392 पर प्रकाकित, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिमूचना सं. का. नि. आ. 221 तारीख 17 सितम्बर, 1985 में मास्टर शिल्पकार के पद से संबंधित अनुसूची का लोप किया जाएगा।

[का. सं. सी.पी. (एन.जी.)/2830]

CORRIGENDUM

Now Dolhi, the 20th August, 1986

S.R.O. 283:—In the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 221 dated the 17th September, 1985, published in the Gazette of India, Part II, Section 4, dated the 12th October, 1985, at pages 392 to 393 omit the Schedule of Master Craftsman.

[File No. CP(NG)/2830] M.C. JUNEJA, Under Secy.

भृद्धि-पञ्ज

मई दिल्ली, 20 अगस्त, 1986

का. ति. आ. 284:——भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधि-सूचना मं. का. ति. आ. 28 के अधीन, भारत के राजपत्त, भाग 2, खंड 4 तारीख 1 फरवरी 1986 के पृष्ठ पर प्रकाशित तैनिक इंजिनियर सेवा (मानचित्रक वर्ग 2) भर्ती नियम 1986 की अनुसूची के स्तंभ 5 में "लागू नहीं होता" ग्रन्दों के स्यान पर "अनयन पर" पढ़ें।

[फाइल सं. ए./85605/II/की.आर.की./ई.माई.सी./सी.एस.सी.सी.]

एम.सी. जुनेजा, अवर सचित्र

						-
			•			
,				`		
					•	
					,	·
	٠					
	٠					
						•
		,				
			,			•
		•				,
						,